पंचलाइट

— 5 अंक

→ पाठ का सारांश/कथावस्तु

♦ पंचलैट की खरीददारी :—

फणीश्वरनाथ रेणु जी द्वारा रचित कहानी 'पंचलाइट' का सारांश इस प्रकार है—

महतो टोली के पंचो ने पिछले 15 महीने से दण्ड-जुर्माने के द्वारा जमा पैसों से रामनवमी के मेले से इस बार पेट्रोमेक्स खरीदा। पेट्रोमेक्स जिसे गाँव की भाषा में पंचलाइट कहते थे। पेट्रोमेक्स खरीदने के बाद बचे 10 रु० से पूजा की सामग्री खरीदी गई। पंचलैट को देखने के लिए मुहल्ले के सभी बालक, औरते, स्वं मर्द एकत्रित हो गए और सरदार ने अपनी पत्नी को आदेश दिया कि जाके पूजा-पाठ का इन्तजाम करे।

Gyansindhu Coaching Classes

♦ जलाने की समस्या :—

महतो टोली के लोग पंचलैट के आने से अत्याधिक उत्साह में थे। परन्तु बड़ी समस्या यह आ गयी कि पंचलैट को जलाए कौन। कोई भी उस टोली में पंचलैट जलाना नहीं जानता था। किसी के घर में अभी तक कोई ढिबरी भी नहीं जलाई गयी थी। क्यों पचलैट की रौशनी को ही फैला देखना चाहते थे। पंचलैट के न जलने पर सभी के चेहरे उतर गए। सभी मजाक उड़ाने लगे थे। धैर्यपूर्वक सभी ने मजाक सहन किया।

परन्तु उन सबका प्रण था कि पंचलैट भलेही बिना जले पड़ा रहे, लेकिन दूसरी टोली की मदद नहीं ली जाएगी।

जलाने हेतु सजा भुगत रहे गोधन की खोज :—

मुनरी जो कि गुलरी काकी की बेटी थी और गोधन से प्रेम करती थी, उसे पता था कि गोधन पंचलैट जलाना जानता है। लेकिन गोधन का हुक्का पानी बंद था। मुनरी ने अपनी सहेली कनेली से कहा "कनेली-कनेली, चिगो, चिन्ध, चिन।" कनेली समझ गयी उसने सरदार तक सूचना पहुँचाई। सभी पंचो ने सोच विचार कर यह निर्णय लिया कि गोधन को बुलाया जाए। पंचलैट जलवाया जाए।

Gyansindhu Coaching Classes

गोधन द्वारा पंचलैट जलाया जाना :—

सरदार ने छड़ीदार को भेजा पर गोधन नहीं माना तब गुलरी काकी गयीं। तब गोधन ने आकर पंचलैट में तेल भरा और जलाने के लिए स्पिरिट माँगी। स्पिरिट न मिलने पर गरी के तेल से जला दी।

पंचलैट के जलते ही सब खुशी से उछल पड़े। महावीर स्वामी की जय एक स्वर में गूँजा और कीर्तन शुरु हो गया।

♦ गोधन को माफ करना :—

पंचो ने देखा कि गोधन बड़ी होशियारी के साथ पंचलाईट को जला दिया। इसलिए गोधन के प्रति सबके दिल साफ हो गए। क्योंकि उसने सबका दिल जीत लिया था। मुनरी ने गोधन की तरफ हसरत भरी निगाहों से देखा।

सरदार ने गोधन को बड़े प्यार से पास बुलाकर कहा कि "तुमने जाति की इज्जत रखी है, तुम्हारा सात खून माफ है। खूब गाओ सलीमा का सलम-सलम वाला गाना।

गुलरी काकी ने रात के खाने पर गोधन को बुलाया। गोधन ने एक बार फिर से मुनरी की ओर देखा नजर मिलते ही लज्जा से मुनरी की पलकें झुक गयीं।

Gyansindhu Coaching Classes